जाये बैठे कौशल्या जी की गोद

जाये बैठे कौशल्या जी की गोद,
राम चंद्र दूल्हा बने.....

शीश बरने के सेहरा सोवे,
कान बरने के मोती सोहे,
याकी लड़ियो पे नाच रहे मोर,
राम चंद्र दूल्हा बने,
जाये बैठे कौशल्या जी की गोद,
राम चंद्र दूल्हा बने.....

गले बन्ने के तोडा सोवे,
हाथ बन्ने के कंगन सोवे,
याकी मेहँदी में नाच रहे मोर,
राम चंद्र दूल्हा बने,
जाये बैठे कौशल्या जी की गोद,
राम चंद्र दूल्हा बने.....

अंग बन्ने के जामा सोवे,
पैर बन्ना के जूते सोवे,
याके पटके पे नाच रहे मोर,
राम चंद्र दूल्हा बने,
जाये बैठे कौशल्या जी गोद,
राम चंद्र दूल्हा बने....

संग बन्ने के भाइयो की जोड़ी,
याकी महफ़िल में नाच रहे मोर,
राम चंद्र दूल्हा बने,
जाये बैठे कौशल्या जी गोद,
राम चंद्र दूल्हा बने....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25764/title/jaye-baithe-kaushalya-ji-ki-gaud

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |